५००रु. Rs500

भारत

पाँच सौ रुपया FIVE HUNDRED RUPEES

12/10/90

Under I. S. Act......

Under B. ... Act......

Under C. ... A.S.A. ......

विक्रेता :- श्री भुनेश्वर विश्वकर्मा पिता स्व० नागो विश्वकर्मा जाति लोहार पेशा व्यवसाय साकिम भि.कुराह धनबाद थाना एवं जिला धनबाद।

क्रेता :- श्रीमती मालती देवी पति श्री शालीग्राम मिस्त्री जाति बढ़ई पेशा गृहस्थी साकिम हिरापुर झाड़ुडीह थाना एवं जिला धनबाद।

100 Rs.

INDIA NON JUDICIAL

१०० रु.　　सत्यमेव जयते　भारत　　Rs 100

एक सौ रुपये　ONE HUNDRED RUPEES

[illegible] १२/१०/८०

विक्रय पत्र केवाला दस्तावेज। दस्तावेज मूल्य 6000/ (सात हजार) रुपये। सालाना मालगुजारी १२ पैसा। मालिक जमीन्दार बिहार सरकार, धनबाद।

विवरण जायदाद :- जिला धनबाद चौकी सदर रजिष्ट्री ऑफिस धनबाद थाना धनबाद अन्तर्गत " बारोमुड़ी " मौजा में कायमी रैयती

75 Rs.

पचहत्तर रूपये

सत्यमेव जयते

भारत

INDIA

७५रू. SEVENTY FIVE RUPEES 75Rs.

कुन्दनबिहारामी
१२/१०/८०

जायदाद। मौजा बारोमुड़ी नं० ३ खाता नं० ३८
सामील प्लोट नं० २६ में से रकबा ०१ कट्ठा १४
छटाक (एक कट्ठा चौदह छटाक) जायदाद तथा
कच्चा मकान आदि के साथ मैं आज यह केवाला
दस्तावेज द्वारा बिक्री किया।

जिसका चौहद्दी :-

उ० विवेकानन्द साव। द० गली।
पू० रोड़। प० मौजा सीमाना नवाडीह।

7 RS

INDIA

सात रुपये

सत्यमेव जयते

SEVEN RUPEES भारत SEVEN RUPEES

फुटकर विक्रेता
१२/०१/८४

उक्त दस्तावेज के साथ दो कापी नकशा नथी किया गया है, जो नकशा में लाल रंग से दिखाया गया है, वही स्थान बिक्री स्थान है।

उक्त जायदाद अंग्रेजी सन् १९८३ ई० का 6600 नं० केवाला दस्तावेज द्वारा धनबाद सदर रजिष्ट्री ऑफिस का रजिष्ट्री किया हुआ श्रीमती खुदु ग्वालीन के निकट मेरा अपना नाम से केवाला खरीदा हुआ जायदाद है।

[illegible] १२/१०/६०

चुँकी बिक्रय पत्र केवाला दस्तावेज यह है कि मेरा घरेलु खर्च तथा अन्य खर्च के कारण रुपये की जरुरत आ पड़ी। इसलिए विवरण में दिये गये जायदाद को बिक्री किये बैगर रुपये का बन्दोबस्त करना कठीन है। अतः मैं विवरण में दिये गये जायदाद का उचित मुल्य 6000) (सात हजार) रुपये नगद लेकर आपकी हाथ में बिक्री करके मैं अपना हक अधिकार से वंचित हुआ एवं आपको दखलकार किया तथा दखल दिया। आप आज तारिख से बिक्री जायदाद पर नया मकान बनाकर बस-बास, बाग-बगीचा, कुँआ तथा दान, बिक्री, हस्तान्तर आदि करने का हकदार बनकर वंश परम्परा परम सुख से भोग दखल करते रहें। इसमें मैं या मेरा वंशज या वारीसन् का किसी प्रकार का उजुर, एतराज या आपत्ती नहीं होगा और उजुर, एतराज या आपत्ती करने पर भी कानूनी तौर से नामंजुर समझा जायेगा। बिक्री जायदाद का सालाना मालगुजारी प्रतिसन् मालिक जमीन्दार बिहार सरकार बराबर अदाय देकर मेरा नाम खारिज करवा कर आप अपनी नाम से मालगुजारी रसिद हासिल किजियेगा। नाम खारिज करने के लिए जो करना जरुरी है वह मैं करुँगा। बिक्री जायदाद इसके पहले किसी प्रकार का दान, बिक्री, हस्तान्तर तथा दायसंयोग आदि किया हुआ नहीं है, यदि किया हुआ रहे या प्रमाण पाने पर आपकी क्षति हो मैं अपना खर्चा से कुल क्षति का क्षति पुर्ती करुँगा। मुल्य का कुल रुपये समझ कर पाया।

अतः मैं अपना शरीर और मन की सलतना से यह बिक्रय पत्र केवाला दस्तावेज लिख दिया कि समय पर काम आवे। इति अंग्रेजी सन् १९६० ई० १२ अक्टुबर। दोनो पक्ष को दस्तावेज पढ़ कर सुनाया और समझा दिया।

गवाह :- Bijay Kumar Vishwakarma
Ori
Mithu Road, Dhanbad.
महेन्द्र नाथ [illegible]
१२/१०/६०

कातिब :- श्री हिमांशु मोहन मंडल।
मो० धनबाद।
१२।१०।६०

मौजा बरोमुडी थाना धनबाद न० २ खाता न० ३८ प्लॉट न० २६ रकबा में से १ कट्ठा, १४ छटाक, जो नकसे में लाल चिन्हित स्थान है

विक्रेता: श्री भुवनेश्वर विश्वकर्मा पिता स्व० नागो विश्वकर्मा मो० भिंडुरोड धनबाद

क्रेता: श्रीमती मालती देवी पति श्री शालीग्राम मिस्त्री मो० झाडुडिह धनबाद।

स्केल 1" = 330'-0"

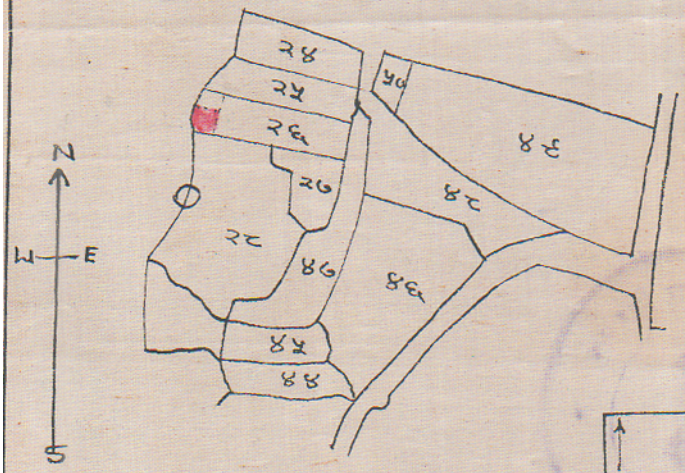

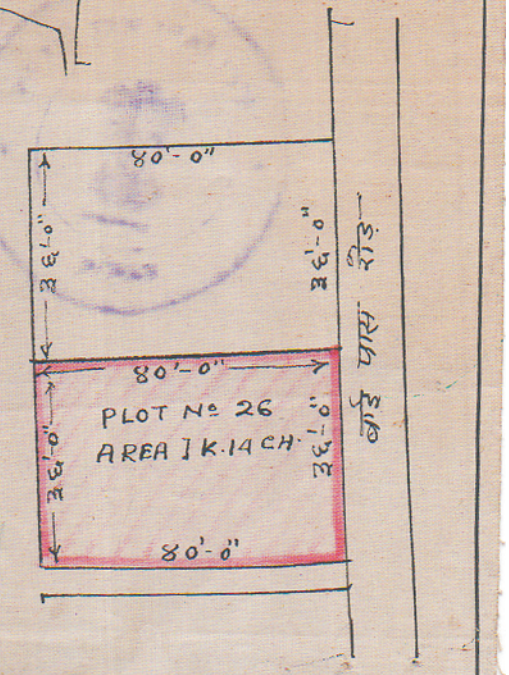

TRUE COPY

भुनेश्वर विश्वकर्मा
१५/१०/९०

TRACED BY
M.N.Paul